

भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु का मणिपुर में नागरिक अभिनंदन समारोह में संबोधन

इंफाल : 11.12.2025

मुझे मणिपुर आकर इस सुंदर राज्य के जीवंत लोगों की ओर से आयोजित इस अभिनंदन समारोह में सम्मिलित होकर अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है। जिस गर्मजोशी और स्नेह के साथ मेरा स्वागत किया गया है, उससे मैं अभिभूत हूँ।

मणिपुर धैर्य, साहस और विख्यात सांस्कृतिक समृद्धि की भूमि है। पीढ़ियों से यहां के लोगों ने खेल, सशस्त्र बलों, कला एवं संस्कृति तथा लोकसेवा सहित विभिन्न क्षेत्रों में अमूल्य योगदान देकर देश की समृद्धि में योगदान दिया है।

आज मुझे मणिपुर के लोगों के जीवन की गुणवत्ता को और बेहतर बनाने वाली अनेक महत्वपूर्ण परियोजनाओं का उद्घाटन करके प्रसन्नता हुई है। जनजातीय विकास, कृषि, अवसंरचना, बिजली, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य और खेल जैसे विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी ये परियोजनाएं और अधिक आधुनिक व समावेशी मणिपुर के निर्माण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।

आज जिन परियोजनाओं की आधारशिला रखी गई है, वे अवसंरचना, हथकरघा और हस्तशिल्प, पर्यटन, विद्युत, पेयजल, सुरक्षा और प्रशासन, स्वास्थ्य और खेल जैसे अनेक क्षेत्रों से संबंधित हैं। ये परियोजनाएं रोजगार का सृजन करेंगी, बुनियादी ढांचे में सुधार लाएंगी और आर्थिक गतिविधियों में तेजी लाएंगी। ये परियोजनाएं समावेशी विकास और मणिपुर के लोगों के सशक्तीकरण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।

भारत सरकार द्वारा, पिछले कई वर्षों में कनेक्टिविटी, स्वास्थ्य, अवसंरचना, शिक्षा और ग्रामीण विकास के लिए जो बड़े कदम उठाए गए हैं उनसे यहां के लोगों के जीवन में वास्तव में परिवर्तन आया है।

मैं उस पीड़ा से अवगत हूँ, जिससे दुर्भाग्यपूर्ण हिंसा के बाद मणिपुर के लोगों को गुजरना पड़ा। मैं आपको विश्वास दिलाना चाहती हूँ कि मणिपुर के लोगों की चिंताओं का समाधान करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। मेरी सरकार प्रत्येक प्रभावित परिवार के साथ खड़ी है।

केंद्र सरकार सामाजिक सौहार्द को सुदृढ़ करने, सुरक्षा सुनिश्चित करने और मणिपुर को स्थिरता और समृद्धि की दिशा में आगे बढ़ने में पूर्ण सहयोग प्रदान करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। सरकार राज्य के सभी क्षेत्रों में समान और संतुलित विकास को बढ़ावा देने के लिए भी प्रतिबद्ध है और सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि विकास और प्रगति का लाभ राज्य के प्रत्येक कोने तक पहुंचे।

मणिपुर ने विकास के अनेक सूचकों पर उल्लेखनीय सुधार दर्शाया है। यह केंद्र और राज्य सरकार के बीच निकट सहयोग और, सबसे महत्वपूर्ण रूप से, मणिपुर के लोगों के कड़े परिश्रम से संभव हुआ है। आज बाद में, मैं यहां इंफाल में आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों से भी संवाद करूंगी।

मणिपुर, दक्षिण-पूर्व एशिया के साथ भारत के जीवंत जुड़ाव का प्रवेश द्वार है। यहां के युवा, संस्कृति और प्राकृतिक सौंदर्य इसे असीम संभावनाओं से परिपूर्ण राज्य बनाते हैं।

मणिपुर अपनी आत्मनिर्भर महिलाओं के लिए भी जाना जाता है। दो दिन पहले, मुझे राष्ट्रीय हस्तशिल्प पुरस्कार समारोह में पूरे देश के पुरस्कार विजेताओं के बीच मणिपुर की चार महिलाओं को भी सम्मानित करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। 20वीं सदी के प्रारंभिक दशकों में मणिपुर की वीरांगनाओं ने ऐतिहासिक 'नूपी लाल' अर्थात् महिलाओं के युद्ध, दो बार लड़े। वे औपनिवेशिक और सामंती ताकतों से अपनी उचित मांगें मनवाने में सफल रहीं। कल सुबह, मुझे 'नूपी लाल मेमोरियल कॉम्प्लेक्स' में उन वीरांगनाओं को पुष्पांजलि अर्पित करने का सौभाग्य मिलेगा। मैं, मणिपुर की उन बहादुर महिला योद्धाओं को नमन करती हूं। वे प्रत्येक भारतीय के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं।

यहां से थोड़ी ही दूरी पर स्थित मोइरांग में राष्ट्रीय गौरव की भावना और भी प्रखर हो उठती है, जहां वर्ष 1944 में आजाद हिंद फौज के वीर सैनिकों ने भारत का ध्वज फहराया था।

मणिपुर के वीर सपूतों के सम्मान में, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 'माउंट हैरियट' पहाड़ी को 'माउंट मणिपुर' नाम दिया गया है। आज हम एक ऐसी धरती पर एकत्रित हुए हैं जहां हमारे इतिहास के अनेक गौरवशाली अध्याय लिखे गए हैं।

देवियो और सज्जनो,

प्रकृति ने मणिपुर को अनुपम उपहारों से विभूषित किया है। मुझे बताया गया है कि लोकटक झील पूर्वोत्तर क्षेत्र की मीठे पानी की सबसे बड़ी झील है। यहां न केवल भारत का, बल्कि पूरी दुनिया का एकमात्र तैरता हुआ राष्ट्रीय उद्यान भी स्थित है। मणिपुर की घाटी और पहाड़ियां अद्वितीय प्राकृतिक सुंदरता से भरी हैं।

रोमांचक खेल पोलो की उत्पत्ति मणिपुर में ही हुई थी। आज पहले मैंने पोलो का एक प्रदर्शनी मैच भी देखा। इस खेल में मणिपुर की महिलाओं को उत्कृष्ट प्रदर्शन करते देखकर मैं बहुत प्रभावित हुई जिसमें गति, शक्ति और कौशल के उच्चतम स्तर की अपेक्षा होती है। मणिपुर विभिन्न खेलों में अपनी उत्कृष्टता के लिए जाना जाता है।

मणिपुर के लोग प्रतिभाशाली और परिश्रमी हैं। मुझे विश्वास है कि घाटी और पहाड़ी क्षेत्रों के लोग नए उत्साह और सौहार्द के साथ एकजुट होकर रहेंगे तथा राज्य को समृद्धि और खुशहाली की नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे।

मैं मणिपुर के लोगों से आग्रह करती हूं कि वे सौहार्द और विकास कार्यों को निरंतर अपना समर्थन देते रहें। आइए, हम सब मिलकर मणिपुर को ऐसा राज्य बनाएं जहां हर बच्चा स्वयं को सुरक्षित महसूस करे, हर महिला सशक्त बने, हर समुदाय अपनापन महसूस करे, और प्रत्येक नागरिक उज्ज्वल भविष्य की ओर आगे बढ़े।

धन्यवाद!

थगात्चारी!

जय हिंद!

जय भारत!